Class Notes for students of B.A. Geography Hons. part – II, Paper – III, Unit – V

बिहार में कृषि आधारित उद्योग
Agro - based industries in Bihar

बोलेन्द्र कुमार अगम,
सहायक प्राध्यापक, भूगोल

दलहन तथा तिलहन परिष्करण उद्योग

बिहार राज्य में दलहन तथा तिलहन परिष्करण मिलों की संरचनात्मक विशेषताएं: बिहार राज्य के लोगों के भोजन तत्व या सामग्री में दाल एवं तेल का अनिवार्य स्थान है । दलहन की दाल एवं तिलहन के तेल के लिए परिष्करण से संबंधित औद्योगिक इकाइयों का विकास स्वभाविक है । अरहर, मसूर, चना, मूंग, उड़द, मटर तथा खेसारी इत्यादि दलहन के छिलके अलग करने तथा इन्हें दाल का रूप देने के लिए दलहन परिष्करण मिलो की अवस्थिति विभिन्न स्थानों में पाई जाती है । दाल परिष्करण मिलो का मुख्य विकास क्षेत्र गंगा नदी से संलग्न जिलों में से होता है । जैसे कि बाढ़, मोकामा, बरबीघा, शेखपुरा, पटना, बिहारशरीफ, फतुहा, जहानाबाद, आरा, सासाराम, मुंगेर, भागलपुर आदि प्रमुख दाल मिलों के केंद्र हैं । इसी तरह तिलहन के परिष्करण से तेल निकालने की कई छोटी-बड़ी इकाइयां बिहार राज्य में परंपरागत औद्योगिक अर्थव्यवस्था के अंग के प्रतीक हैं । गांव में कुटीर उद्योग के रूप में कोल्हू से तेल निकालना एक परंपरा रही है । बिहार राज्य में तेल पेरने के लगभग 500 मिलों की उपस्थिति है । पटना, गया तथा मुंगेर जिले तिलहन उद्योग के लिए ज्यादा महत्वपूर्ण हैं ।

चावल, गेहूं, दलहन, तिलहन परिष्करण उद्योग की क्रियात्मक परिचालन विशेषताएं: बिहार राज्य में चावल, आटा, दाल तथा तेल पेराई मिलो का क्रियात्मक परिचालन, कृषि उत्पादन में इनके विस्तृत कृषित क्षेत्र, पर्याप्त मात्रा में उत्पादन तथा लोगों के भोजन में इनका आवश्यक योगदान है । बिहार राज्य में इन मिलों के संकेंद्रण क्षेत्रों में क्रमशः धान, गेहूं, दलहन तथा तिलहन की कृषि की प्रधानता है । इस संबंध में निम्नलिखित तथ्यों का उल्लेख समीचीन है:

- धान, गेहूं, दलहन तथा तिलहन की कृषि पारिस्थितिकी (वर्षा, तापक्रम, आर्द्रता, भूमि, धरातल तथा मृदा उर्वरता, ढाल प्रवणता तथा जल प्रवाह से संबंधित कृषि दशाएं)
- खाद्यान्न तथा खाद्यान्न आधारित भोजन सामग्रियों की शाश्वत मांग के अनुरूप खाद्यान्न परिष्करण उद्योग के विकास की निरंतरता सुनिश्चित है ।
- खाद्यान्न परिष्करण उद्योगों का मशीनरी तथा उत्पादन प्रौद्योगिकी के आधुनिकीकरण से क्रियात्मक परिचालन में प्रगुणता की पूरी संभावना है ।
- बिहार राज्य की परिवहन प्रणाली में उन्नयन की संभावना तथा कृषि उत्पादन के रूप में वांछित कच्चे माल की आपूर्ति और सघन जनसँख्या के बीच सुनिश्चित और बढ़ते बाजार की स्थिति में

खाद्यान परिष्करण उद्योग विहार की औद्योगिक अर्थव्यवस्था का मूल आधार बन सकता है । इन उद्योगों में उत्पादन आधिक्य के द्वारा व्यापार में प्रगति होगी ।

- वर्तमान अवस्था में खाद्यान्न परिष्करण उद्योग, विशेषकर आटा एवं दलहन मिलें वर्ष भर समान रूप से क्रियाशील नहीं रह पाती हैं बल्कि रबी फसल के तैयार होने पर चालू होती है । कच्चे माल के भंडारण की सुविधा तथा बाजार से समन्वय स्थापित कर उत्पादन समय एवं क्षमता में वृद्धि आवश्यक है ।

Industrial Areas In Bihar

Sl.	Industrial Area in Patna Region	Industrial Area in Darbhanga Region	Industrial Area in in Muzaffarpur Region	Industrial Area in Bhagalpur Region
1	Industrial Area/Estate, Patliputra	Industrial Estate, Bela	Industrial Area, Muzaffarpur	Large Industrial Estate, Barari
2	Industrial Area, Fatuha	Industrial Estate, Dharampur	Industrial Estate, Muzaffarpur	Industrial Estate, Munger
3	Industrial Area, Hajipur	Industrial Area, Donar	Industrial Area, Kumarbagh	Industrial Area, Sitakund
4	E.P.I.P., Hajipur	Industrial Estate, Jhanjharpur	Industrial Area, Ramnagar	Industrial Area, Jamalpur
5	Industrial Estate, Biharsharif	Growth Centre, Khagariya	Industrial Area, Sitamarhi	Industrial Growth Centre, Maranga
6	Industrial Area, Nawada	Industrial Estate, Murliganj	Industrial Area, Raxaul	Industrial Growth Centre, Kahalgaon
7	Industrial Area, Gaya	Industrial Area, Pandaul	Industrial Area, Bettiah	Industrial Estate, Lakhisarai
8	Industrial Area, Jehanabad	Industrial Estate, Saharsa	Industrial Area, Siwan	Industrial Estate, Purnea City
9	Industrial Area, Aurangabad	Industrial Estate, Samastipur		Industrial Area, Bhediadangi (Kishanganj)
10	Industrial Growth Centre, Aurangabad	Industrial Estate, Udakisanganj		Industrial Area, Forbesganj
11	Industrial Area, Dehri			Industrial Estate, Katihar
12	Industrial Area, Barun			Industrial Area, Khagara (Kishanganj)
13	Industrial Area, Bikramganj			
14	Industrial Area, Buxar			
15	Industrial Area, Bihiya			
16	Industrial Growth Centre, Gidha			
17	Industrial Area, Bihta			
18	Mega Industrial Park, Bihta			
19	Industrial Area, Kopakala			
20	Industrial Area, Barauni			
21	Sikandarpur Food Park, Patna			

स्रोत: http://www.udyogmitrabihar.in/biada/

तंबाकू परिष्करण उद्योग

तंबाकू एक महत्वपूर्ण नगदी फसल है । तंबाकू के कच्चे माल के रूप में उपयोग पर आधारित कुछ विशेष उल्लेखनीय उद्योगों की स्थापना बिहार राज्य में हुई है ।

तंबाकू परिष्करण उद्योग की संरचनात्मक विशेषताएं: बीड़ी तथा सिगरेट उद्योग प्रत्यक्ष रूप से तंबाकू परिष्करण प्रौद्योगिकी से जुड़े हैं । बिहार राज्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर का इम्पीरियल टोबाको कंपनी (आईटीसी) सिगरेट उत्पादन का प्रमुख उद्योग इकाई है । इसकी अवस्थिति मुंगेर के दिलबाग मोहल्ले में है । इसके अलावा तंबाकू परिष्करण औद्योगिक संरचना से संबंधित बिहार के विभिन्न भागों में सैकड़ों बीड़ी के उद्योग या कार्यस्थल हैं । बीड़ी के निर्माण में तेंदू/केंदू के पत्ते तथा खैनी (तम्बाकू पत्ते से तैयार चूर्ण) का उपयोग कच्चे माल के रूप में किया जाता है । सिगरेट नगर संस्कृति तथा बीड़ी और खैनी मुख्य रूप से ग्रामीण संस्कृति के परिचायक हैं । स्वभावत: ग्रामीण परिवेश में लघु एवं कुटीर उद्योग के रूप में बीडी निर्माण का बिहार में काफी महत्व है । शहरों में कंपनी चिन्हित (Branded) बीडी का उत्पादन होता है जबकि बिना Brand के निर्माण का कार्य बड़े पैमाने पर शहरों और गांवों में होता है । मुंगेर, पटना एवं गया जिलों का बीडी उत्पादन में प्रमुख स्थान है । इसके अतिरिक्त उत्तर बिहार के प्रमुख बीडी निर्माण के केंद्र में दलसिंहसराय, शाहपुर, अयोध्यागंज का विशेष उल्लेख है । दक्षिण बिहार के उल्लेखनीय बीडी केंद्र झाझा, लखीसराय, जमुई, बिहारशरीफ, आरा, बक्सर आदि हैं । बिहार राज्य में छोटे-बड़े लगभग 250 बीडी बनाने के कारखाने हैं ।

तंबाकू परिष्करण उद्योग की क्रियात्मक परिचालन विशेषताएं: तंबाकू परिष्करण उद्योग के क्रियात्मक परिचालन के महत्वपूर्ण तथ्य निम्नलिखित हैं:

(i) समस्तीपुर, सीतामढ़ी तथा बेगूसराय जिला में खैनी फसल के उत्पादन का उपयुक्त वातावरण है । इस भाग में उच्च कोटि का वर्जिनिया तंबाकू सिगरेट उद्योग के लिए प्राथमिकता पाता है । दरभंगा, मुजफ्फरपुर, सारण, पटना तथा पूर्णिया जिला में भी खैनी की खेती होती है । वास्तव में तंबाकू उत्पादन में बिहार राज्य का छठा स्थान है

(ii) आई टी सी मुंगेर में कुल पूँजी निवेश 2133 लाख का है, जिसमें 1517 श्रमिकों को रोजगार प्राप्त है और इसकी उत्पादन क्षमता 8597 मिलियन सिगरेट की है । इस कारखाने में सिगरेट के अतिरिक्त सिगरेट के लिए तंबाकू मिश्रण तथा सिगरेट कागज का उत्पादन होता है ।

(iii) कुटीर उद्योग के रूप में बीडी के कारखाने असंगठित एवं पारंपरिक प्रौद्योगिकी से समर्थित हैं ।

(iv) बीडी निर्माण उद्योग के आधुनिकीकरण तथा सहकारिता संगठन से इसका आर्थिक महत्व बढ़ेगा ।

(v) बीडी निर्माण उद्योग में प्रगुणता के लिए प्रशिक्षित श्रमिकों, परिवहन उन्नयन तथा बाजार नियमन आवश्यक होगा । .....क्रमशः

- सन्दर्भ: बिहार की भौगोलिक समीक्षा, वसुन्धरा प्रकाशन, डॉ नंदेश्वर शर्मा